भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राजभाषा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4551

दिनांक 8.5.2007/ 18 वैशाख, 1929 (शक) को उत्तर के लिए

राजभाषा को बढ़ावा देना

4551. श्री मणी कुमार सुब्बा:
श्री नवीन जिन्दल:

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा सरकारी की राजभाषा नीति के भाग के रूप में हिन्दी को पूर्वोत्तर राज्यों सहित राज्यों में बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस योजना के अंतर्गत राज्यों द्वारा वर्ष-वार, राज्य-वार कुल कितनी धनराशि प्रदान की गई/उपयोग में लाई गई;

(ग) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों में प्रत्येक के दौरान इस संबंध में कोई सेमीनार तथा सम्मेलन आयोजित किए हैं;

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक सेमीनार तथा सम्मेलन का ब्यौरा क्या है और इनमें किन मुद्दों की चर्चा की गई तथा किन मुद्दों को कार्यान्वित किया गया; और

(ङ) इस प्रयोजनार्थ सरकार द्वारा अलग-अलग से कुल कितनी धनराशि प्रदान की गई/उपयोग में लाई गई?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माणिक राव एच. गावीत)

(क): संघ की राजभाषा हिंदी से संबंधित नीति को राज्यों में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों द्वारा प्रेरणा, प्रोत्साहन व सद्भावना से कार्यान्वित किया जाना है। तदनुसार पूर्वोत्तर

राज्यों सहित देश के सभी राज्यों में इस विभाग तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों आदि द्वारा राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं जिनमें निम्नलिखित कार्यक्रम/योजनाएं प्रमुख हैं:-

(i) हिंदी समितियों की बैठकों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों आदि का आयोजन करना।

(ii) केंन्द्र सरकार के कार्मिकों को हिंदी भाषा/आशुलिपि/टंकण तथा अनुवाद का प्रशिक्षण दिलाना।

(iii) कम्पयूटर के माध्यम से हिंदी में कार्य करना, प्रशिक्षण के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करना और वर्ल्ड वेब पर उपलब्ध करना।

(iv) सरकारी कार्यालयों आदि का राजभाषाई निरीक्षण करना व विभिन्न प्रोत्साहन व पुरस्कार योजनाएं चलाना।

(v) प्रकाशनों तथा प्रचार सामग्री का नि:शुल्क वितरण।

(ख): राजभाषा से संबंधित कार्यक्रमों को राजभाषा विभाग तथा केंद्र सरकार के अन्य कार्यालयों आदि द्वारा उनके बजट में उपलब्ध वित्तीय प्रावधान से देश-भर में चलाया जाता है। राजभाषा विभाग द्वारा पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत राज्यवार अलग से कोई धनराशि प्रदान करने का प्रावधान नहीं है।

(ग): जी हां। सरकार ने पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष 4 सम्मेलनों के हिसाब से कुल 12 क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलनों तथा तीन हिंदी दिवस समारोहों का आयोजन किया है।

(घ): क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलनों में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेते हैं और क्षेत्र विशेष के कतिपय विद्वानों को भी आमंत्रित किया जाता है। सम्मेलनों में उन्हें संघ की राजभाषा नीति तथा कम्पयूटर पर हिंदी में काम करने के लिए साफ्टवेयरों आदि की अद्यतन जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही राजभाषा नीति के श्रेष्ठ अनुपालन के लिए अधीनस्थ कार्यालयों आदि को शील्ड व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं। इसी प्रकार हिंदी दिवस पर 14 सितंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर भी एक समारोह का आयोजन किया जाता है जिसमें हिंदी में उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय/विभागों आदि को शील्डें तथा हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए नकद पुरस्कार दिए जाते हैं।

(ङ): इस प्रयोजनार्थ किए गए व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

लाख रूपयों में

	2004-05	2005-06	2006-07
चार क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलनों पर व्यय	7.11	6.92	7.90
हिन्दी दिवस समारोह पर व्यय	5.45	7.91	6.10

****